

संवाद

मार्च माह दृष्टी महारथ !

डॉ सलीस हुयी बैश आगवान जैशन
महारथ !

महारथ,

श्रीमती, नम् - निविद्या

हैं कि कुरुक्षु का नाम प्रिंस १०० हैं

इसका ३५० ५०० हैं इसका इलाला नहीं
दिल्ली समा से तल १४० हैं २०२०२० में

तल १४० हैं अब इलाला हो गया हैं
अब वन्ये २०२०२० हैं और मैं तनावा

वल रहा हैं मैं इस संस्थाका संस्थान
हैं यी बैश आगवान जैशन के मेरी आवश्यक
साइरामा की इसकी मूल है दिल्ली

प्रथमाद्य हैं वाहनी हैं मैं इक गरीब
दिल्ली से भिन्नता करती हैं इसकी नाम
की इलाला करना क्यों मेरे वसाना नहीं हैं
आवश्यक १५० सोसद्वा वाली है २५४१४१५

की आ॒ आ॒ आ॒ आ॒ आ॒ आ॒ आ॒ आ॒ आ॒
इसके लिए हैं मैं दिल्ली १५० प्रथमाद्य हैं वाहनी

} आमरी
नाम सम्मान कर्मी